पढ़ाने के बजाए छात्रावास चलाने में शिक्षकों की रुचि अधिक

एक शिक्षक के भरोसे दो-दो छात्रावास

नवभारत न्यूज

पन्ना, 18 सितंबर। आदिम जाति कल्याण विभाग की आश्रम और छात्रावास व्यवस्था में शिक्षकों के दोहरे प्रभार का मामला सामने आने के बाद आदिवासी एवं गरीब बच्चों की पढ़ाई को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। आरोप है कि शिक्षकों को उनके मूल शैक्षणिक कार्य से हटाकर छात्रावासों और आश्रमों का अधीक्षक प्रभार दिया जा रहा है।

इनमें कई शिक्षकों को एक साथ दो-दो छात्रावासों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दोहरे प्रभार वाले संस्थानों के बीच की दूरी 10 से 70 किलोमीटर तक बताई जा रही है। ऐसे में शिक्षकों के नियमित पठन-पाठन के साथ छात्रावासों की व्यवस्था और बच्चों की सुरक्षा संभालने की व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। जनपद पंचायत पवई के उपाध्यक्ष सुखदेव सिंह ने इस व्यवस्था पर आपत्ति जताते हुए खंड शिक्षा अधिकारी पवई को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को उनके मूल शैक्षणिक कार्य से हटाकर छात्रावासों में अधीक्षक का प्रभार देना उचित नहीं है। पत्र में सामान्य प्रशासन विभाग के दिशा-निर्देशों और स्थानांतरण संबंधी नियमों का हवाला देते हुए शिक्षकों को तत्काल मूल कार्य पर वापस भेजने की मांग की गई है।

50 किमी दूर तक की दी गई जिम्मेदारी -दोहरे प्रभार की व्यवस्था में सबसे बड़ा सवाल बच्चों की सुरक्षा और शिक्षकों की उपलब्धता को लेकर है। छात्रावास अधीक्षकों से रात में संस्थान में रहकर विद्यार्थियों की सुरक्षा और व्यवस्थाओं की निगरानी की अपेक्षा रहती है। ऐसे में एक ही व्यक्ति को दूर-दूर स्थित दो छात्रावासों की जिम्मेदारी मिलने पर दोनों स्थानों पर नियमित मौजूदगी कैसे सुनिश्चित होगी, यह सवाल उठ रहा है।

सवालों के घेरे में जिम्मेदार जिला संयोजक

विभागीय मुखिया जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण की कार्यप्रणाली पर यह सवाल भी उठ रहा है कि यदि शिक्षकों की पर्याप्त उपलब्धता का दावा किया जा रहा था तो दोहरे प्रभार की आवश्यकता क्यों पड़ी। अब मांग उठ रही है कि पूरे मामले की जांच कर नियमों के अनुरूप व्यवस्था बहाल की जाए और शिक्षकों को उनके मूल शैक्षणिक कार्य में वापस भेजकर आश्रमों में पढ़ रहे बच्चों की शिक्षा सुनिश्चित की जाए।

डेढ़ दर्जन से अधिक को दो-दो छात्रावास

सामने आई सूची के अनुसार जिले में डेढ़ दर्जन से अधिक अधीक्षकों को दो-दो छात्रावासों या आश्रमों का प्रभार सौंपे जाने की बात सामने आई है। सूची में शिक्षिका दीपिका सिंह को उत्कृष्ट शाहनगर और आश्रम भोंपार, समीक्षा वर्मा को सीनियर अमानगंज और सीनियर सुनवानी, दिनेश मिश्रा को सीनियर बराह और ब्रजपुर तथा संजय शुक्ला को इटवाकलां और पड़री का दोहरा प्रभार दिया गया है। इसी तरह रावेन्द्र पाठक, राजेश मिश्र, वीरेन्द्र पाल, मुकेश पाण्डेय, सनिद कुमार पाण्डेय, रोहिराम पटेल और सू. प्रजापति को भी दो-दो छात्रावासों की जिम्मेदारी दिए जाने का उल्लेख है।

सेवानिवृति पर कुसुम सेन को दी गई विदाई

नवभारत न्यूज

पन्ना, 18 सितंबर। महारानी दुर्गा राज्य लक्ष्मी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पन्ना की वरिष्ठ सदस्य कुसुम सेन का भव्य एवं गरिमामय विदाई समारोह विद्यालय परिसर में आयोजित किया गया। संस्था में वर्ष 1988 से निरंतर अपनी सेवाएं दे रहीं कुसुम सेन ने लगभग 38 वर्षों तक पूर्ण कर्तव्यनिष्ठा एवं समर्पण के साथ संस्था की सेवा की।

विदाई समारोह में संस्था सचिव कृष्णा कुमारी ने कुसुम सेन को तिलक लगाकर, पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं उपहार प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर संस्था सचिव ने कुसुम सेन के योगदान को याद करते हुए कहा कि कुसुम सेन केवल संस्था की सदस्य नहीं, बल्कि मेरे परिवार की सदस्य के रूप में भी रही हैं। उन्होंने विद्यालय एवं राजपरिवार के प्रत्येक कार्य में हर कदम पर सहयोग किया। उनका योगदान सदैव अमूल्य और स्मरणीय रहेगा। उन्होंने कुसुम सेन के उत्तम स्वास्थ्य एवं खुशहाल जीवन की कामना की। संस्था प्राचार्य कृष्ण नारायण पांडेय ने अपने उद्बोधन में कुसुम सेन द्वारा संस्था के लिए किए गए कार्यों एवं उनके समर्पण की सराहना करते हुए उनके योगदान को याद किया। इस अवसर पर राजकुमार मिश्रा, अतुल शुक्ला, रागिनी मिश्रा एवं मिथिला विश्वकर्मा ने भी अपने उद्बोधन में कुसुम सेन के सेवाकाल एवं उनके योगदान की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल एवं सुखद भविष्य की कामना की। कार्यक्रम की रूपरेखा एवं संचालन क्रीड़ा प्रभारी पहलवान सिंह द्वारा किया गया। समारोह के दौरान विद्यालय परिवार के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं कुसुम सेन के परिवार के सदस्यों की उपस्थिति रही।

सर्पदंश जागरुकता को लेकर कार्यशाला आयोजित

नवभारत न्यूज

पन्ना, 18 सितंबर। सर्पदंश से बचाव, प्राथमिक उपचार एवं समय पर अस्पताल पहुंचाने के उद्देश्य से 17 एवं 18 सितम्बर को जनपद पंचायत पन्ना सभागार में दो दिवसीय सर्पदंश जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यक्रम एस्ट्रल फाउंडेशन द्वारा समर्थित एवं लास्ट वाइल्डरनेस फाउंडेशन मुंबई द्वारा आयोजित किया गया। 17 सितम्बर को आयोजित कार्यशाला में पन्ना ब्लॉक के एसएचसी, पीएचसी के चिकित्सकों एवं सभी आशा कार्यकर्ताओं सहित 106 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण जीरो बाइट के संस्थापक एवं सर्प विशेषज्ञ केदार भिड़े मुंबई द्वारा दिया गया। प्रतिभागियों को सर्पदंश की स्थिति में प्राथमिक उपचार, पीड़ित को तत्काल अस्पताल पहुंचाने, जन-जागरूकता बढ़ाने तथा सर्पों से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने की जानकारी दी गई। 18 सितम्बर को पन्ना ब्लॉक के सरपंच, सचिव एवं ग्राम रक्षकों सहित 80 प्रतिभागियों के लिए कार्यशाला आयोजित की गई। सामूहिक एवं व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीण स्तर पर सर्पदंश के प्रति जागरूकता बढ़ाने और सही समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की जानकारी दी गई। ग्राम रक्षकों को सुरक्षा की दृष्टि से टॉर्च भी वितरित की गईं। कार्यक्रम में एलडब्लूएफ मुंबई की ओर से रीजनल कोऑर्डिनेटर इंद्रभान सिंह बुंदेला, फील्ड कोऑर्डिनेटर संदीप यादव एवं सुश्री कामना सिंह उपस्थित रहे।

संभागायुक्त ने झगरहा में ग्रामीणजनों से किया संवाद

नवभारत न्यूज

पन्ना, 18 सितंबर। कमिश्नर सागर संभाग दिलीप कुमार ने शुक्रवार को प्रथम पन्ना प्रवास के दौरान अजयगढ़ विकासखंड की ग्राम पंचायत मझगांय के झगरहा टोला का भ्रमण किया। यहां ग्रामीणजनों से संवाद कर खेती एवं रोजगार संबंधी कार्यों पर चर्चा की।

स्वरोजगार के लिए शिविर लगाने के निर्देश भी दिए। कमिश्नर ने मझगांय बांध परियोजना के मुआवजा एवं पुनर्वास पैकेज राशि वितरण की जानकारी लेकर गांव में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में पूछा। इस दौरान विद्युत, पेयजल के लिए हैंडपंप और आवागमन की बेहतर सुविधाओं के संबंध में निर्देशित किया।

ग्रामवासियों को 2-3 दिवस में प्राप्त होने वाली साढ़े सात लाख रुपए की अतिरिक्त राशि के उचित उपयोग सहित स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र विकसित करने के लिए भी कहा। साथ ही आदिवासी बाहुल्य गांव में मत्स्य पालन गतिविधि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सोसायटी गठन और पंजीयन के भी लिए निर्देशित किया। विकास की व्यापक संभावना पर भी आवश्यक चर्चा की। इस अवसर पर कलेक्टर ऊषा परमार एवं पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू सहित एसडीएम आलोक मार्को, तहसीलदार सुरेन्द्र अहिरवार व अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कंसल्टेंट के नाम व्यापक वित्तीय अनियमितता का खेल

निर्माण विभागों में गुणवत्ता नियंत्रण के नाम औपचारिकता

नवभारत न्यूज

पन्ना, 18 सितंबर। सरकारी विभाग में सुपरवीजन एवं क्वालिटी कंट्रोल कंसल्टेंट के नाम पर भी करोड़ों खर्च किया जाता है जबकि वे न तो गुणवत्ता पर ध्यान देते और न ही जिम्मेदारी के साथ समय पर निरीक्षण ही करते हैं। किन्तु जब ठेकेदारों को भुगतान किया जाता है तो उसी अनुपात में क्वालिटी कंट्रोल के विभिन्न मदों का भी भुगतान कर दिया जाता है।

वास्तव में यह भी एक बड़ी अनियमितता है जिस पर कभी कोई ध्यान नहीं दिया जाता। महालेखाकार के आडिट प्रतिवेदनों में भी इस तरह की गड़बड़ियों का उल्लेख प्रमुखता से किया जाता है। इसके बावजूद भी कोई ध्यान विभागों द्वारा नहीं किया जाता। लोक निर्माण विभाग में पीआईयू के द्वारा निर्मित होने वाले कई भवनों ने करोड़ों का भुगतान क्वालिटी कंट्रोल कंसल्टेंट के नाम पर किया जा रहा है। जबकि देखा जाता है कि भवनों की गुणवत्ता में कई तरह की कमियां मौजूद रहती हैं।

शासन के निर्देशों का नहीं होता क्रियान्वयन - बताया गया है कि निर्माण कार्यों से संबंधित टर्म्स आफ रिफरेंस में उल्लेखित सुपरवीजन एण्ड क्वालिटी कंट्रोल कंसल्टेंट याने एक्सक्यूसी के संबंध में शासन के निर्देश हैं कि कार्यों के पर्यवेक्षण, माप को दर्ज करने, देयकों को तैयार करने और कार्यों की गुणवत्ता नियंत्रण के लिये जिम्मेदार होंगे। किन्तु कई प्रकरणों में पाया जाता है कि जहां कम दर पर ठेकेदारों को कार्य सौंपे गये वहां ठेकेदारों को अधिक भुगतान किया गया एवं ठेकेदारों को किये गये भुगतान आधार पर एक्सक्यूसी को भी भुगतान किया गया। इस तरह से ठेकेदारों को अधिक भुगतान करने के कारण एक्सक्यूसी को भी अधिक भुगतान किया गया। जबकि एक्सक्यूसी द्वारा किये गये कार्यों में कई तरह की कमियां चिन्हित की गईं। जिनमें संशोधित दरों को न अपनाना, उच्च दर अपनाने से अधिक भुगतान, समयवृद्धि की गलत स्वीकृति एवं शास्ति का कम आरोपण या अनारोपण, ठेकेदारों को अधिक भुगतान, ठेकेदारों को अदेय वित्तीय लाभ, उत्खनन सामग्री के परिवहन पर अतिरिक्त भुगतान, फील्ड लेबोरेटरी की स्थापना न करना, घटिया स्तर के लोहे का उपयोग, आरसीसी के अमानक कार्यों का निष्पादन आदि मामले शामिल हैं। इस तरह के मामले शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा से संबंधित स्कूल, कालेज एवं छात्रावास आदि से संबंधित भवनों के निर्माण कार्यों की आडिट में वसूली योग्य मामलें पकड़े गये। इस तरह के मामलों में दोषी अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिये थी किन्तु किसी भी अधिकारी के खिलाफ आज तक कार्रवाई नहीं हो पाई।

शहपुरा में लगा शिविर, कमिश्नर भी शिविर में हुए शामिल

शिविर के जरिए लोगों की सुनी समस्याएं, किया निराकरण

नवभारत न्यूज

पन्ना, 18 सितंबर। पन्ना विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा है कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान में गांव गांव शिविरों के जरिए लोगों की समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। विकास कार्यों के साथ जन समस्याओं का निराकरण सरकार की पहली प्राथमिकता है।

अभियान में सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा भ्रमण कर समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित तरीके से पहुंचाने की मंशा से अभियान मोड में लोगो को लाभान्वित करना इसका मुख्य उद्देश्य है। विधायक एवं पूर्व मंत्री श्री सिंह शुक्रवार को मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान अंतर्गत अजयगढ़ विकासखंड की ग्राम पंचायत शहपुरा में आयोजित शिविर में शामिल हुए। पन्ना विधायक ने अति वर्षा के कारण फसल हानि के सर्वे और मुआवजा वितरण की बात भी कही। विस्थापित ग्राम में निरंतर रूप से बेहतर सुविधाओं का विकास किया जाएगा।

सागर संभागायुक्त दिलीप कुमार ने जन विश्वास अभियान शिविर में सीएम हेल्पलाइन सहित अन्य स्तर पर लंबित शिकायतों की जानकारी ली और हितग्राही संवाद भी किया। ग्रामीणों द्वारा विभागवार समस्याओं के संबंध में अवगत कराया गया। इस मौके पर विभिन्न योजनाओं के हितलाभ भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में कलेक्टर ऊषा परमार, पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू, जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी, भी उपस्थित रहे।

दो स्थानों पर वन अमले की कार्रवाई

पन्ना, 18 सितंबर। दक्षिण पन्ना वनमंडल के शाहनगर परिक्षेत्र अंतर्गत बोरी सर्किल की बीट गजंदा में नियमित गश्त के दौरान वन अमले ने दो स्थानों पर वन भूमि पर अतिक्रमण के प्रयासों को विफल किया। कक्ष 935 में वन भूमि पर अवैध रूप से बागड़ लगाकर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा था, जिसे मौके पर ही हटवाकर वन भूमि को अतिक्रमण से सुरक्षित किया गया। इसी प्रकार कक्ष 933 में खखरी एवं टपरिया बनाकर वन भूमि पर कब्जा करने का प्रयास पाया गया, जिस पर वन अमले द्वारा तत्काल कार्रवाई कर अतिक्रमण का प्रयास विफल किया गया।

वन-वे ट्रैफिक से हांफ रहीं सतना-जबलपुर को जोड़ने वाली रफ्तार

नवभारत न्यूज

सलेहा, 18 सितंबर। सलेहा से गंज की ओर जाने वाले महत्वपूर्ण नेशनल हाईवे पर विकास की रफ्तार अचानक थम गई है। पिछले कुछ समय से निर्माण कार्य पूरी तरह ठप्प रहने के कारण पूरा मार्ग अब राहगीरों के लिए मुसीबत का सबब बन चुका है।

सतना, नागौद, सलेहा, पवई और जबलपुर जैसे प्रमुख शहरों और कस्बों को आपस में जोड़ने वाले इस बेहद व्यस्त हाईवे का काम अधूरा छूटने से यात्रियों और वाहन चालकों की परेशानियां दिन-ब-दिन बढ़ती ही जा रही हैं। सड़क के एक हिस्से में निर्माण अधूरा पड़ा है, जिससे प्रशासनिक स्तर पर यातायात को सीमित चौड़ाई वाले दूसरे हिस्से से गुजारा जा रहा है। इस वन-वे व्यवस्था ने पूरे क्षेत्र में यातायात के दबाव को कई गुना बढ़ा दिया है। जब दोनों दिशाओं से बसें, ट्रक और भारी मालवाहक आमने-सामने आते हैं, तो हाईवे पर कई किलोमीटर लंबा जाम लग जाता है। सामने से आ रहे वाहनों को साइड देने के फेर में चालकों को गाड़ियां पटरी से नीचे उतारनी पड़ती हैं, जिससे दुर्घटनाओं का अंदेशा हर पल बना रहता है। स्थानीय निवासियों, व्यापारियों, विद्यार्थियों और रोजाना सफर करने वाले यात्रियों के लिए यह अधूरी सड़क समय और ईंधन दोनों की बर्बादी का कारण बन चुकी है। ग्रामीणों को उम्मीद थी कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना से उनकी राह आसान होगी, लेकिन निर्माण कार्य अचानक बंद होने से राह और ज्यादा पथरीली और दुष्कर हो गई है। लोगों का कहना है कि जब तक निर्माण कार्य दोबारा शुरू नहीं होता, तब तक प्रशासनिक स्तर पर सुचारू यातायात प्रबंधन के ठोस इंतजाम किए जाने चाहिए। क्षेत्रीय जनता ने निर्माण एजेंसी और संबंधित लोक निर्माण विभाग से मांग की है कि कार्य रोके जाने के कारणों को स्पष्ट करते हुए इसे तत्काल प्रभाव से पुनः चालू कराया जाए। समयबद्ध तरीके से अधूरा काम पूरा कर सतना से जबलपुर तक के इस लाइफलाइन मार्ग पर निर्बाध आवागमन बहाल करना अब बेहद जरूरी हो गया है, ताकि आमजन को रोजाना की इस तकलीफ से निजात मिल सके।

आज धूमधाम से मनाया जाएगा श्री राधिका महारानी जू का प्रकट्योत्सव

पन्ना, 18 सितंबर। पन्ना के रामबाग जनकपुर रोड स्थित श्री श्री 1008 राधारमण बिहारी जू मन्दिर में 19 सितम्बर शनिवार को दोपहर 12 बजे श्री श्री 1008 श्री राधिका महारानी जू का प्रकट्योत्सव अत्यधिक हर्षोल्लास एवं भक्तिभाव के साथ आयोजित किया जाएगा। श्री राधारमण बिहारी जू सरकार के आदेशानुसार आयोजित होने वाले इस पावन जन्मोत्सव के अवसर पर मंदिर मंडप में उपस्थित भक्तों द्वारा बधाई एवं भजन-कीर्तन प्रस्तुत किए जाएंगे। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं, गणमान्य नागरिकों, महिलाओं एवं युवाओं से इस धार्मिक आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होकर जन्मोत्सव का आनंद लेने, धार्मिक लाभ उठाने और महाप्रसाद ग्रहण करने की भावभरी अपील की है।

किसान की चमकी किस्मत, पटी क्षेत्र में मिला 4.70 कैरेट का जेम्स क्वालिटी का हीरा

नवभारत न्यूज

पन्ना, 18 सितंबर। रत्नगर्भा पन्ना की धरती ने एक बार फिर अपनी कोख से बेशकीमती रत्न उगलकर एक साधारण किसान और उसके साथियों को रातों-रात लखपति बना दिया है।

जिले के पटी क्षेत्र में चल रही उथली खदान से एक किसान बद्री पटेल व उनके 5 साथियों के साथ मिलकर की गई 15 दिनों की मेहनत के बाद 4.70 कैरेट का नायाब हीरा मिला है। जानकारों के अनुसार, यह हीरा जेम्स क्वालिटी का है, जो आभूषणों और रत्नों के निर्माण के लिए सबसे उत्तम श्रेणी में गिना जाता है। उच्च गुणवत्ता का होने की वजह से आगामी नीलामी में इसकी अच्छी-खासी कीमत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। नियमानुसार इस हीरे को पन्ना के हीरा कार्यालय में जमा करा दिया गया है, जहां से नीलामी के बाद शासकीय रॉयल्टी काटकर शेष राशि किसान और उसके साथियों के खाते में ट्रांसफर की जाएगी।

छत्रसाल महाविद्यालय में सेवा संकल्प का शुभारंभ

नवभारत न्यूज

पन्ना, 18 सितंबर। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पन्ना में सेवा संकल्प अभियान का भव्य शुभारंभ आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में शाम 07 बजे करीब 500 दीप एक साथ प्रज्ज्वलित किए गए।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ जे के वर्मा, प्रशासनिक अधिकारी डॉ पी पी मिश्रा, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ मनोरमा गुप्ता, डॉ आर एम दत्ता, कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ डी पी कुशवाहा, डॉ सतीश त्रिपाठी, डॉ राजेश कुमार पटेल, डॉ अमरजीत साहू, सुश्री वैशाली रजक, डॉ शुभम पाठक, डॉ पीयूषा शर्मा, डॉ विपिन सिंह, अरविंद निषाद, डॉ संजय सोनी, डॉ प्रदीप कुमार रावत, डॉ प्रवीण कुमार गुप्ता सहित महाविद्यालय परिवार के शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ के साथ-साथ राष्ट्रीय सेवा योजना एवं एनसीसी के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कमिश्नर ने ग्राम पटी बजरिया पहुंचकर विस्थापित परिवारों की सुनी समस्याएं

कृष्णा कल्याणपुर के विस्थापित गांव पटी बजरिया में हैं निवासरत

नवभारत न्यूज

पन्ना, 18 सितंबर। नवागत कमिश्नर दिलीप कुमार ने शुक्रवार को पन्ना प्रवास के दौरान केन बेतवा लिंक परियोजना के विस्थापित ग्राम पटी बजरिया पहुंचकर प्रभावित परिवारों की समस्याएं सुनीं। ग्राम पंचायत कृष्णा कल्याणपुर के विस्थापित गांव पटी बजरिया में दो ग्रामों के 52 परिवार निवासरत हैं।

प्रशासन द्वारा ग्राम में सड़क, बिजली, स्कूल एवं आंगनवाड़ी केंद्र सहित पेयजल व अन्य मूलभूत सुविधाओं के विकास के प्रबंध निरंतर सुनिश्चित किए जा रहे हैं। इसके अलावा ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक व पटवारी से वांछित जानकारी प्राप्त कर आवश्यक निर्देश दिए। ग्रामीणों ने संभागायुक्त के समक्ष लंबित समस्याओं के तत्काल समाधान की मांग रखी। इस पर विभागीय अधिकारियों को समयबद्ध निराकरण के निर्देश भी दिए गए।

कमिश्नर ने संबंधित परिवार के लोगों को लंबित मुआवजा राशि के एक सप्ताह में भुगतान के लिए आश्वस्त किया। साथ ही ग्राम में पशुपालन एवं डेयरी विभाग तथा आदिम जाति कल्याण विभाग के अधिकारियों को भेजकर

स्थानीय स्तर पर रोजगारपरक प्रकरण तैयार कराने के निर्देश दिए। उन्होंने वर्तमान परिस्थिति में लोगों को पशुपालन गतिविधियां करने के लिए भी प्रेरित किया। इसके अलावा एक जनवरी 2024 की कट ऑफडेट अनुसार 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले परिवार के बालिग सदस्यों और लंबित भुगतान वाले परिवारों को समय पर राशि भुगतान के लिए दो दिवस में गांव में ही कैंप लगाकर राशि वितरण के निर्देश भी दिए। कमिश्नर ने आवंटित जमीन में संबंधित विस्थापित परिवार के निर्माणाधीन आवासों व सुविधाओं का भी जायजा लिया।

साथ ही बेहतर पुनर्वास के संबंध में चर्चा कर जरूरी निर्देश दिए। कमिश्नर ने ग्रामवासियों से बैंक खाता संचालन के संबंध में भी पूछा और विवाह उपरांत अनिवार्य रूप से पत्नी के साथ संयुक्त बैंक खाता खुलवाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि शासन के नियम और निर्देश मुताबिक सभी पात्र परिवार लाभान्वित होंगे।

इस मौके पर किसी अन्य व्यक्ति के बहकावे से बचाव और राशि के सदुपयोग और बचत की सलाह भी दी। कुछ प्रकरणों में आयु निर्धारण के लिए मेडिकल टेस्ट करवाने के लिए कहा। आधार संबंधी समस्याओं के भी ग्राम स्तर पर निराकरण के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर कलेक्टर ऊषा परमार, एसडीएम संजय कुमार नागवंशी, तहसीलदार अखिलेश प्रजापति एवं जनपद पंचायत सीईओ जयशंकर तिवारी भी उपस्थित रहे।